Lingashtakam in Sanskrit

Lingashtakam – Sanskrit lyrics (Text)

Lingashtakam – Sanskrit Script

ब्रह्ममुरारि सुरार्चित लिङ्गं
निर्मलभासित शॊभित लिङ्गम□।
जन्मज दुःख विनाशक लिङ्गं
तत्प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम□॥ 1 ॥

दॆवमुनि प्रवरार्चित लिङ्गं
कामदहन करुणाकर लिङ्गम□।
रावण द□ विनाशन लिङ्गं
तत्प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम□॥ 2 ॥

सर्व सुगन्ध सुलॆ□त लिङ्गं
□द्धि विवर्धन कारण लिङ्गम□।
सिद्ध सुरासुर वन्दित लिङ्गं
तत्प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम□॥ 3 ॥

कनक महामणि भूषित लिङ्गं
फणि□ति वॆष्टित शॊभित लिङ्गम□।
दक्ष सुयज्ञ निनाशन लिङ्गं
तत्प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम□॥ 4 ॥

कुङ्कुम चन्दन लॆ□त लिङ्गं

पङ्कज हार सुशॊभित लिङ्गम्।
सञ्चित पाप विनाशन लिङ्गं
तत्प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम्॥ 5 ॥

दॆवगणार्चित सॆवित लिङ्गं
भावै-र्भक्तिभिरॆव च लिङ्गम्।
दिनकर कॊटि प्रभाकर लिङ्गं
तत्प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम्॥ 6 ॥

अष्टदलॊपरिवॆष्टित लिङ्गं
सर्वसमुद्भव कारण लिङ्गम्।
अष्टदरिद्र विनाशन लिङ्गं
तत्प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम्॥ 7 ॥

सुरगुरु सुरवर पूजित लिङ्गं
सुरवन पुष्प सदार्चित लिङ्गम्।
परात्परं परमात्मक लिङ्गं
तत्प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम्॥ 8 ॥

लिङ्गाष्टकमिदं पुण्यं यः पठॆश्शिव सन्निधौ ।
शिवलॊकमवाप्नॊति शिवॆन सह मॊदतॆ ॥